नईदुनिया

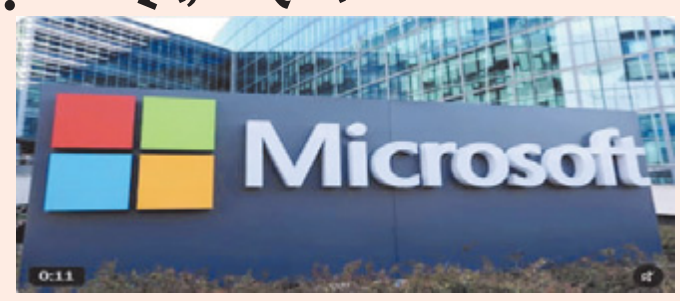
भोपाल, 14 नवंबर 2026

### माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं ठप, 74 देशों में कामकाज प्रभावित; भारतीय विमान सेवाओं पर भी असर

# आउटलुक सहित कई सेवाएं करीब 15 घंटे रहीं बाधित, दिल्ली से स्पाइसजेट की तीन उड़ानें रद्द, कई देशों में सरकारी और बैंकिंग सेवाएं प्रभावित

**शिकागो, एजेंसीः** माइक्रोसॉफ्ट की ऑनलाइन सेवाओं में आई बड़ी तकनीकी खराबी से दुनियाभर में सरकारी संस्थानों, बैंकों, अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों और बड़ी कंपनियों का कामकाज प्रभावित हुआ है। करीब 15 घंटे से जारी इस व्यवधान के कारण ईमेल भेजने, ऑनलाइन बैठक करने और इंटरनेट पर फाइलें सुरक्षित रखने जैसी सुविधाएं बाधित रहीं। जापान में सरकारी तंत्र, हांगकांग में बैंकिंग सेवाओं, ऑस्ट्रेलिया में खुफिया और पुलिस विभाग तथा फिलीपींस में न्यायालयों का काम प्रभावित हुआ।

भारत में भी इसका असर हवाई सेवाओं पर दिखाई दिया। शुक्रवार सुबह स्पाइसजेट को दिल्ली से पुणे, लेह और मुंबई जाने वाली तीन उड़ानें




रद्द करनी पड़ीं। दरभंगा और मुंबई जाने वाली दो अन्य उड़ानें विलंबित हुईं। दिल्ली हवाई अड्डा प्रशासन ने यात्रियों के लिए परामर्श जारी कर घर से निकलने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जांचने की सलाह दी। इंडिगो और अकासा एयर ने भी यात्रियों को सतर्क रहने को कहा है। हालांकि, एयर इंडिया ने स्पष्ट किया कि उसकी उड़ानें सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं।

### आउटलुक की 1.40 लाख से अधिक शिकायतें

माइक्रोसॉफ्ट की आउटलुक, टीम्स, शेयरपॉइंट, कोपायलट, डिफेंडर और एक्सचेंज जैसी सेवाएं प्रभावित हुई हैं। शिकायतों पर नजर रखने वाली वेबसाइट डाउनडिटेक्टर के अनुसार, केवल आउटलुक सेवा बंद होने की एक लाख 40 हजार से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। यह व्यवधान भारतीय समयानुसार गुरुवार रात करीब 9:45 बजे शुरू हुआ और एक घंटे के भीतर 74 देशों तक फैल गया।

### गलत अद्यतन से आई तकनीकी खराबी

माइक्रोसॉफ्ट के अनुसार, समस्या सॉफ्टवेयर के गलत तरीके से अद्यतन होने के कारण पैदा हुई है। कंपनी ने साइबर हमले या सेंधमारी की आशंका से इनकार किया है। खराबी दूर करने के लिए किए गए शुरुआती प्रयास सफल नहीं हुए, जिसके बाद कंपनी ने दूसरे तकनीकी उपायों की जांच शुरू की। इस व्यवधान से अस्पतालों में मरीजों को ऑनलाइन परामर्श देने, विद्यालयों में ऑनलाइन कक्षाएं चलाने और कंपनियों में कामकाज करने में परेशानी हुई। कई कारोबारों में सामान के आदेश की प्रक्रिया भी प्रभावित हुई।

दुनियाभर में 43 करोड़ से अधिक लोग माइक्रोसॉफ्ट की विभिन्न सेवाओं का उपयोग करते हैं। ऐसे में इस तकनीकी खराबी का असर बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं और व्यावसायिक संस्थानों पर पड़ा है। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, इसका प्रभाव केवल ईमेल और कार्यालयी कामकाज तक सीमित नहीं है, बल्कि ऑनलाइन खरीदारी, पहचान सत्यापन और अन्य डिजिटल सुविधाएं भी प्रभावित हो सकती हैं।

## स्पाइसजेट पर दुबई हवाई अड्डे की सख्ती, बकाया नहीं चुकाने पर चार उड़ानें रद्द

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः** आर्थिक संकट से जूझ रही विमानन कंपनी स्पाइसजेट को दुबई में बड़ा झटका लगा है। दुबई हवाई अड्डा प्रशासन ने बकाया भुगतान नहीं करने पर एयरलाइन की यात्रियों के पंजीकरण की सुविधा रोक दी है। कंपनी पर हवाई अड्डा प्रशासन और जमीन पर विमानन सेवाएं उपलब्ध कराने वाली कंपनी डिनाटा का करीब 35.85 करोड़ रुपये बकाया है। इस कार्रवाई के कारण गुरुवार (12 नवंबर) को दुबई से भारत आने वाली चार उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। इससे सैकड़ों यात्री हवाई अड्डे पर फंस गए। जानकारी के अनुसार, स्पाइसजेट ने 13 अक्टूबर के बाद से दुबई हवाई अड्डे को कोई भुगतान नहीं किया था। इसके बाद दुबई हवाई अड्डा संचालित करने वाली कंपनी ने सोमवार को एयरलाइन को चेतावनी दी थी कि 12 नवंबर तक पूरा बकाया जमा नहीं करने पर यात्रियों के पंजीकरण की सुविधा बंद कर दी जाएगी। निर्धारित समय सीमा तक भुगतान नहीं होने पर प्रशासन ने अपनी चेतावनी पर अमल किया। सेवा बंद होने के बाद भी यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने अहमदाबाद और दिल्ली जाने वाली दो विलंबित उड़ानों को उड़ान भरने की अनुमति दी। ये विमान निर्धारित समय से पहले रवाना होने वाले थे, लेकिन देरी के कारण हवाई अड्डे पर रुके हुए थे। इसके बाद स्पाइसजेट के दुबई स्थित स्टेशन प्रबंधक ने अपनी टीम को चार उड़ानें रद्द करने के निर्देश दिए। इनमें दुबई से दिल्ली, मुंबई, जयपुर और अमृतसर आने वाली उड़ानें शामिल थीं। इन विमानों को यात्रियों के बिना ही भारत वापस भेजने का निर्णय लिया गया।

## खास-खबरें

### गोरा बनाने वाली पाकिस्तानी क्रीम में मिला जहरीला पारा

**नईदुनिया ब्यूरो, नांदेड़ः** महाराष्ट्र के नांदेड़ में जब्त किए गए पाकिस्तान में निर्मित सौंदर्य उत्पादों की जांच में खतरनाक रसायन पारा मिलने का मामला सामने आया है। सरकारी प्रयोगशाला की जांच में इन उत्पादों में जहरीले पारे की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। त्वचा को गोरा बनाने का दावा करने वाली इन क्रीमों के इस्तेमाल से लोगों के स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचने की आशंका जताई गई है।

जानकारी के अनुसार, नांदेड़ में जांच के दौरान पाकिस्तान में निर्मित होने का लेबल लगे कई सौंदर्य उत्पाद जब्त किए गए थे। इनमें त्वचा को गोरा करने वाली क्रीम सहित अन्य सौंदर्य प्रसाधन शामिल थे। जब्त उत्पादों के नमूने सरकारी प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजे गए थे। जांच रिपोर्ट में पारे की मौजूदगी सामने आई है। पारा एक विषैला रासायनिक तत्व है, जिसका त्वचा संबंधी उत्पादों में अनियंत्रित इस्तेमाल स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। इसके संपर्क में लंबे समय तक रहने से त्वचा, गुर्दे और तंत्रिका तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। विशेष रूप से चेहरे पर नियमित रूप से ऐसी क्रीम लगाने से शरीर में इस जहरीले तत्व के पहुंचने का खतरा रहता है।

त्वचा का रंग गोरा करने के दावे के साथ बेचे जाने वाले उत्पादों में पारे का इस्तेमाल कई देशों में प्रतिबंधित या कड़े नियंत्रण के अधीन है। इसके बावजूद ऐसे उत्पादों की बिक्री लोगों की सेहत के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

नांदेड़ में हुई इस जांच के बाद सौंदर्य प्रसाधनों की गुणवत्ता और उनमें इस्तेमाल होने वाले रासायनिक तत्वों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मामले में जब्त उत्पादों की प्रयोगशाला जांच की रिपोर्ट महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

### तीन गुना हो सकती है न्यूनतम पेंशन 19 नवंबर को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की अहम बैठक

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः** देश के लाखों सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए न्यूनतम मासिक पेंशन बढ़ने की उम्मीद फिर तेज हो गई है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की 240वीं केंद्रीय न्यासी मंडल की बैठक 19 नवंबर को नई दिल्ली में होगी। इसमें कर्मचारी पेंशन योजना के तहत मिलने वाली न्यूनतम मासिक पेंशन को मौजूदा 1,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये करने के प्रस्ताव पर विचार होने की संभावना है। यदि यह प्रस्ताव मंजूर होता है तो पेंशन की न्यूनतम राशि तीन गुना हो जाएगी। हालांकि, सरकार ने अभी तक इस बढ़ोतरी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की यह बैठक पहले गुजरात के गिर में प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसका स्थान बदलकर नई दिल्ली स्थित संगठन के मुख्यालय में कर दिया गया है। चार नवंबर को जारी पत्र के अनुसार, बैठक 19 नवंबर को सुबह 10:15 बजे शुरू होगी। यह संगठन की 240वीं केंद्रीय न्यासी मंडल की बैठक होगी। इसमें कर्मचारियों, नियोक्ताओं और सरकार के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कर्मचारी पेंशन योजना के तहत न्यूनतम मासिक पेंशन सितंबर 2014 से 1,000 रुपये निर्धारित है। पिछले 12 वर्षों से इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। कर्मचारी संगठनों और पेंशनभोगियों के संगठन लंबे समय से इसमें बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। कई संगठनों ने न्यूनतम पेंशन 7,500 रुपये प्रतिमाह करने और इसके साथ महंगाई भत्ता देने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि मौजूदा महंगाई में 1,000 रुपये की पेंशन से रोजमर्रा के खर्च पूरे करना मुश्किल है।

### पेंशन पाने वालों के लिए जरूरी सूचना, जीवन प्रमाणपत्र जमा करने की अंतिम तारीख 30 नवंबर

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः** पेंशन पाने वाले बुजुर्गों के लिए जीवन प्रमाणपत्र जमा करने की अंतिम तारीख नजदीक आ गई है। पेंशनभोगियों को 30 नवंबर तक अपना जीवन प्रमाणपत्र जमा करना होगा। ऐसा नहीं करने पर उनकी पेंशन के भुगतान में परेशानी आ सकती है। अब पेंशनभोगियों को यह प्रमाणपत्र बनवाने के लिए सरकारी कार्यालयों या बैंकों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। वे उमंग अनुप्रयोग के माध्यम से घर बैठे डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनवा सकते हैं। जीवन प्रमाणपत्र के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि पेंशन प्राप्त करने वाला व्यक्ति जीवित है और उसे नियमित रूप से पेंशन का भुगतान जारी रखा जा सकता है। इसके लिए प्रत्येक वर्ष प्रमाणपत्र जमा करना अनिवार्य है।

# खाने-पीने की चीजें महँगी अब महँगे कर्ज की भी आशंका

- खुदरा महंगाई निर्धारित छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा से पहुंची पार
- दिसंबर की मौद्रिक नीति समीक्षा पर टिकी आम लोगों और बाजार की नजरें



**नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः** देश में बढ़ती महंगाई ने एक बार फिर आम आदमी की चिंता बढ़ा दी है। अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है और यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की निर्धारित छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा से भी आगे निकल गई है।

खाद्य पदार्थों की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के कारण घरेलू बजट पर दबाव बढ़ रहा है। अब आशंका जताई जा रही है कि महंगाई पर नियंत्रण के लिए आरबीआई दिसंबर में होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा के दौरान ब्याज दरों में बढ़ोतरी का फैसला कर सकता है।

खुदरा महंगाई में बढ़ोतरी का सीधा असर आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों पर पड़ता है। सब्जियों, खाद्य तेल और अन्य आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने से परिवारों का मासिक खर्च लगातार बढ़ रहा है। पहले से ही महंगाई का सामना कर रहे उपभोक्ताओं के लिए यह स्थिति परेशानी बढ़ाने वाली है। खासकर मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों को घरेलू खर्च का संतुलन बनाए रखने में मुश्किल हो सकती है।

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति महंगाई की स्थिति और आर्थिक परिस्थितियों का आकलन करने के बाद नीतिगत ब्याज दरों पर निर्णय लेती है। यदि महंगाई लगातार निर्धारित दायरे से ऊपर बनी रहती है तो केंद्रीय बैंक इसे नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी का कदम उठा सकता है।

दिसंबर 2026 में होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा को इसी लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बाजार के जानकारों और आम उपभोक्ताओं की नजर इस बात पर है कि केंद्रीय बैंक महंगाई के ताजा आंकड़ों को देखते हुए क्या रुख अपनाता है।

### बढ़ सकती हैं मकान और वाहन ऋण की किस्तें

यदि आरबीआई नीतिगत ब्याज दरों में बढ़ोतरी करता है तो इसका असर बैंकों की ऋण दरों पर भी पड़ सकता है। विशेष रूप से परिवर्तनीय ब्याज दर पर लिए गए मकान, वाहन और व्यक्तिगत ऋण महंगे हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में पहले से कर्ज चुका रहे लोगों की मासिक किस्त यानी ईएमआई बढ़ने की आशंका रहेगी। वहीं, नया ऋण लेने वालों को भी पहले की तुलना में अधिक ब्याज चुकाना पड़ सकता है।

### आम उपभोक्ताओं पर दोहरा दबाव

खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों और कर्ज महंगा होने की आशंका से आम लोगों पर दोहरा आर्थिक दबाव बन सकता है। एक ओर रोजमर्रा की जरूरतों पर अधिक खर्च करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर ऋण की लागत बढ़ने की संभावना भी बनी हुई है।

## शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 318 अंक टूटकर 81,592 पर बंद

- निफ्टी में भी 155 अंकों की गिरावट, धातु, वाहन और भवन निर्माण क्षेत्र के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली

**नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः** सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई। कारोबार समाप्त होने पर बीएसई का सेंसेक्स 318 अंक टूटकर 81,592 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी 155 अंक गिरकर 25,144 पर आ गया। बाजार में सबसे ज्यादा बिकवाली धातु, वाहन और भवन निर्माण क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में देखने को मिली। शुक्रवार के कारोबार में प्रमुख सूचकांकों पर दबाव बना रहा। निवेशकों की बिकवाली के कारण बाजार अपनी बढ़त कायम नहीं रख सका। विशेष रूप से धातु, वाहन और भवन निर्माण क्षेत्र के शेयरों में कमजोरी ने बाजार की गिरावट को बढ़ाया।

### एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

शुक्रवार को एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 52 अंक यानी 0.98 प्रतिशत गिरकर 5,291 पर बंद हुआ। जापान के निक्केई में 323 अंकों यानी 0.53 प्रतिशत की बढ़त रही और यह 61,142 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक 371 अंक यानी 1.55 प्रतिशत टूटकर 23,638 पर बंद हुआ।

इससे पहले गुरुवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में भी कमजोरी देखने को मिली थी। डाउ जोन्स 189 अंक यानी 0.36 प्रतिशत गिरकर 52,297 पर बंद हुआ। नैस्डैक में 100 अंकों यानी 0.39 प्रतिशत की गिरावट रही और यह 25,366 पर आ गया। एसएंडपी 500 सूचकांक भी 27 अंक यानी 0.35 प्रतिशत टूटकर 7,592 पर बंद हुआ। बाजार में गिरावट के बीच विदेशी निवेशकों की खरीदारी का रुख बना हुआ है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पिछले सात दिनों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में करीब 27 हजार करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। हालांकि, शुक्रवार को घरेलू बाजार के प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए।

# क्या भारतीय संभालेगा एनवीडिया की कमान? तीन दिग्गजों के नाम पर चर्चा तेज

- निकेश अरोड़ा, थॉमस कूरियन और संजय मेहरोत्रा संभावित उम्मीदवारों में शामिल

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः** दुनिया की दिग्गज कृत्रिम बुद्धिमत्ता चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के प्रमुख जेनसन हुआंग के इस्तीफे के बाद अब उनके उत्तराधिकारी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। कंपनी ने फिलहाल मुख्य वित्त अधिकारी कोलेट क्रेस को अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी है। स्थायी नियुक्ति के लिए भारतीय मूल के तीन बड़े कारोबारी नाम सामने आए हैं। इनमें निकेश अरोड़ा, थॉमस कूरियन और संजय मेहरोत्रा शामिल हैं।

इस दौड़ में निकेश अरोड़ा का नाम सबसे अधिक चर्चा में है। वह फिलहाल अमेरिकी साइबर सुरक्षा कंपनी पालो ऑल्टो नेटवर्क्स के प्रमुख हैं। इससे पहले वह गूगल में करीब एक दशक तक काम कर चुके हैं। इसके बाद उन्होंने जापान की निवेश कंपनी सॉफ्टबैंक में अध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी की जिम्मेदारी संभाली। उनके नेतृत्व में पालो ऑल्टो नेटवर्क्स का बाजार मूल्य करीब 17 अरब डॉलर से बढ़कर 275 अरब डॉलर तक पहुंचने का दावा किया गया है।

निवेश कंपनी सीक्वोया कैपिटल के भागीदार शॉन मैग्वायर ने निकेश अरोड़ा को एनवीडिया का अगला प्रमुख बनाने का समर्थन किया है। स्नैपडील के सह-संस्थापक कुणाल बहल ने भी उनके अनुभव और कारोबारी क्षमता की सराहना की है।

दूसरा प्रमुख नाम थॉमस कूरियन का है। वह गूगल क्लाउड के प्रमुख हैं। केरल में जन्मे कूरियन ने लगभग 22 वर्ष तक ओरेकल में काम किया। उनके नेतृत्व में गूगल क्लाउड ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और संगणना सेवाओं के क्षेत्र में विस्तार किया है। तीसरे उम्मीदवार संजय मेहरोत्रा हैं, जो माइक्रोन टेक्नोलॉजी के प्रमुख हैं। कानपुर में जन्मे मेहरोत्रा ने दिल्ली में पढ़ाई की है। वह सैनडिस्क के सह-संस्थापक रहे हैं और उन्हें अर्धचालक उद्योग का लंबा अनुभव है। हालांकि, एनवीडिया ने अभी किसी उम्मीदवार के नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। कंपनी का निदेशक मंडल आंतरिक और बाहरी दोनों विकल्पों पर विचार कर रहा है। संभावित उम्मीदवारों में कंपनी की अंतरिम प्रमुख कोलेट क्रेस और इयान बक सहित अन्य नाम भी शामिल हैं।

### एक बार पूरी तरह चार्ज करने पर दिल्ली से प्रयागराज तक का सफर

# भारत में आई लग्जरी डेंजा डी9

- 115 किलोवाट घंटे की बैटरी से लैस है नई कार, 10 लाख रुपये देकर करा सकते हैं बुकिंग

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः** चीन की वाहन निर्माता कंपनी बीवाईडी ने भारतीय बाजार में अपने नए लग्जरी कार ब्रांड डेंजा की शुरुआत कर दी है। कंपनी ने शुक्रवार को दो कारें डेंजा डी9 और डेंजा जेड9 जीटी पेश कीं। इनमें डेंजा डी9 बहुउद्देशीय वाहन है, जिसकी सबसे बड़ी खासियत एक बार पूरी तरह चार्ज होने पर 730 किलोमीटर तक चलने की क्षमता है। कंपनी के अनुसार, इस दूरी में दिल्ली से प्रयागराज तक का सफर भी शामिल है। डेंजा डी9 की शुरुआती कीमत 90 लाख रुपये (शोरूम कीमत) रखी गई है। इसकी बुकिंग 10 लाख रुपये देकर कराई जा सकती है। वहीं, डेंजा जेड9 जीटी की कीमत 1.57 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। डी9 का मुकाबला एमजी एम9, टोयोटा वेलफायर, किआ कार्निवल और लेक्सस एलएम जैसी लग्जरी गाड़ियों से होगा।



### दमदार बैटरी और आधुनिक सुविधाएं

डेंजा डी9 में 115 किलोवाट घंटे की बैटरी और एक विद्युत मोटर दी गई है। यह 456 अश्वशक्ति की ताकत और 365 न्यूटन मीटर का बल उत्पन्न करती है। कंपनी ने इसकी एक बार चार्ज करने पर 730 किलोमीटर की दूरी तय करने का दावा किया है। हालांकि, वास्तविक दूरी सड़क की स्थिति, गति और अन्य परिस्थितियों पर निर्भर करेगी।

कार में मालिश की सुविधा वाली सीटें, 15.6 इंच की स्पर्शपट्टिका और 10.25 इंच का त्रिआयामी उपकरण पटल दिया गया है। इसके अलावा 16 ध्वनि यंत्रों वाला संगीत तंत्र, 360 डिग्री दृश्य कैमरा और नौ वायु सुरक्षा थैलियां भी उपलब्ध हैं।

### छह शहरों में खुलेंगे बिक्री केंद्र

डेंजा डी9 चार बाहरी रंगों और तीन आंतरिक रंग विकल्पों में उपलब्ध होगी। कंपनी ने गुरुग्राम, मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद में अपने बिक्री केंद्र खोले हैं।

**स्पेशल खबर** कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और जगुआर के पुराने मॉडलों का उत्पादन बंद होने से बढ़ा दबाव

# टाटा मोटर्स को दूसरी तिमाही में 5,531 करोड़ रुपये का घाटा

**नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः** टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड को वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में 5,531 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है। पिछले वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 76,170 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। हालांकि, इस दौरान कंपनी की कुल आय में 34 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 96,920 करोड़ रुपये पहुंच गई। पिछले वर्ष इसी अवधि में कंपनी की आय 72,349 करोड़ रुपये थी।

कंपनी के अनुसार, कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी, अतिरिक्त खर्च और ब्रिटिश लग्जरी वाहन इकाई जगुआर लैंड रोवर के पुराने मॉडलों का उत्पादन बंद होना घाटे की प्रमुख वजहें हैं।

### 6,738 करोड़ रुपये के अतिरिक्त खर्च का असर

कंपनी के वित्तीय परिणामों पर 6,738 करोड़ रुपये के असाधारण खर्च का असर पड़ा है। इसमें जगुआर लैंड रोवर के पुनर्गठन से जुड़े खर्च, कर्मचारियों को सेवा से अलग करने का भुगतान और संपत्तियों के मूल्य में कमी शामिल है। कंपनी की ब्रिटिश इकाई पिछले वर्ष हुए साइबर हमले के प्रभाव से उबरने की प्रक्रिया में है। इस घटना के कारण उत्पादन और बिक्री प्रभावित हुई थी। इसके अलावा पुराने जगुआर मॉडलों का उत्पादन धीरे-धीरे बंद किया जा रहा है। नए विद्युत वाहनों के पूरी तरह बाजार में आने तक इसका कारोबार पर असर पड़ने की आशंका है।




कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से वाहन निर्माण की लागत में भी वृद्धि हुई है। वहीं, कम लाभ देने वाले वाहनों की बिक्री का हिस्सा बढ़ने और लग्जरी वाहनों की मांग में उतार-चढ़ाव से लाभ का अंतर कम हुआ है।

### पिछली तिमाही में हुआ था 775 करोड़ का लाभ

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में कंपनी को 775 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। इसके मुकाबले दूसरी तिमाही में कंपनी घाटे में पहुंच गई। हालांकि, दूसरी तिमाही में कंपनी की आय पहली तिमाही के 95,799 करोड़ रुपये से बढ़कर 96,920 करोड़ रुपये हो गई।कंपनी ने दूसरी तिमाही में दो लाख से अधिक वाहन बेचकर नया कीर्तिमान बनाया। पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले वाहन बिक्री में 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। विद्युत वाहनों की बिक्री भी 90 प्रतिशत बढ़ी।

### शेयर में तीन प्रतिशत की गिरावट

वित्तीय परिणाम घोषित होने से पहले शुक्रवार को कंपनी का शेयर तीन प्रतिशत गिरकर 287 रुपये पर बंद हुआ। पिछले छह महीनों में इसमें 15 प्रतिशत और एक वर्ष में 28 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इस वर्ष की शुरुआत से अब तक शेयर करीब 22 प्रतिशत टूट चुका है। कंपनी का कुल बाजार मूल्यांकन लगभग 1.60 लाख करोड़ रुपये है। कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, आगे नई गाड़ियों की शुरुआत, उत्पादन बढ़ाने, लागत घटाने और नकदी की स्थिति मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा।

## देशभर में एक समान राष्ट्रीय नीति बने-कैट

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने बाजारों में व्यापारिक गतिविधियां और आम लोगों की आवाजाही बाधित करने वाले धरना-प्रदर्शनों को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों से देशभर में एक समान राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की है। नई दिल्ली में शुक्रवार को आयोजित कैट की राष्ट्रीय बैठक में 25 राज्यों के व्यापारी नेताओं ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर प्रमुख शहरों और जिला मुख्यालयों के बाहरी क्षेत्रों में धरना-प्रदर्शन के लिए स्थायी स्थल विकसित करने की मांग उठाई। देश के प्रमुख व्यापारी नेताओं की इस बैठक में व्यापारी नेताओं ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार एवं सभी राज्य सरकारों से पुरजोर मांग की। उन्होंने प्रस्ताव में कहा कि देश के सभी प्रमुख शहरों एवं जिला मुख्यालयों के बाहरी क्षेत्रों में धरने-प्रदर्शन एवं आंदोलन को आयोजित करने के लिए स्थायी और निर्धारित स्थल विकसित किए जाएं, ताकि व्यावसायिक बाजारों, रिहायशी क्षेत्रों तथा आवश्यक सार्वजनिक सुविधाओं और मार्गों पर इनका प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।